संस्कृति का एक बहुत बड़ा सम्बन्ध हिमालय से है और जिस हिमालय की पर्वत-मालाओं से हम को पानी मिला है, संस्कृति मिली है, जहां से हमारा उत्कर्ष हुआ है, उसको हम कभी भी नहीं भूल सकते, उस को हम कभी भी विस्मृत नहीं कर सकते और अगर उन चोटियों पर चाइना जाय अथवा कोई और जाय, तो हम उस का जवाब देंगे ।

जहां तक तिब्बत का प्रश्न है, हमारे प्राइम मिनिस्टर साहब ने तिब्बत पर चाइना की सुवरेन्टी की बात कही थी । जितनी भी बातें हम ने उस एग्रीमेंट में कहीं, वे बिल्कुल ठीक थीं । लेकिन जब हम को मालूम पड़ा कि चाइना का इरादा नापाक है और वह हमारी टेरीटरी पर एग्रैशन करना चाहता है, उस को छीनना चाहता है, तो उस का विरोध करने के लिए और अपने इलाके से उस को हटाने के लिए हम ने नोट्स, चिट्ठियों, तमाम डिप्लोमैटिक चैनल और डिप्लोमैटिक सर्विस का प्रयोग किया । हम चाहते हैं कि जब तक हमें इस सम्बन्ध में आशा है, जब तक यह पार्लियामेंट हम को आज्ञा देती है, जब तक देश हमारे साथ है, जब तक देश की धमनियों में रक्त है, जब तक देश के जवानों की शक्ति, बल और राष्ट्रीयता हमारे साथ है, तब तक पहले हम समझौते का हाथ बढ़ायेंगे, हम चाहेंगे कि चाइना हमारी धरती को खाली कर दे । लेकिन अगर कभी ऐसा अवसर आया और आवश्यकता हुई कि हम को लड़ना पड़ा, तो, जैसा कि इस सदन के सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य ने कहा हैं—हालांकि उन्होंने इस देश के नागरिकों की एक निश्चित संख्या नहीं बताई, कोई पर्टिकुलर फ़िगर्ज़ नहीं बताये कि कितने हमारे देश के नागरिक हैं, कभी उन्होंने ३५ करोड़ कहा और कभी ४० करोड़ कहा—इस देश की ४३ करोड़ जनता, जिस में नर-नारी और छोटे बच्चे सब हैं, इस देश की परम्परा के अनुसार त्याग करेगी और कुर्बानी देगी और उस त्याग और कुर्बानी के माध्यम से देश और संसार को दिखा देगी कि अगर कोई हमारी राष्ट्रीयता पर आक्रमण करेगा—चाहे वह चाइना हो या कोई और—तो हम डट कर उस का मुकाबला करेंगे ।

Mr. Speaker: I would request the Prime Minister to reply tomorrow. Otherwise, the debate is concluded.

18.02½ hrs.

BUSINESS OF THE HOUSE

Mr. Speaker: The House is aware that the Government have suggested that the current session might be extended till the 7th September 1962.

I have accordingly decided to fix sittings of the House for the transaction of business on the 3rd, 4th, 5th, 6th and 7th September 1962.

There will be Question Hour on all these days. The information regarding allotment of days for answering Questions pertaining to various Ministries will be published in the Bulletin.

The last two and half hours of the sitting on Friday, the 7th September, will be allotted for Private Members' Resolutions.

18.03 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, August 14, 1962/Sravana 23, 1884 (Saka).